MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Reported Damage Caused to Hinglaz Mata Temple at Baluchistan in Pakistan

विपक्ष के नेता (श्री जसवन्त सिंह): सभापति महोदय, जिस मसले पर मैं अपनी बात को कहना चाह रहा हूं, उसमें मेरा इरादा बिल्कुल किसी पड़ोसी देश के अंदरुनी मामलात पर दखल देने का नहीं है, परन्तु कुछ हमारे ऐसे फिकर खड़े हुए हैं, जिन पर मैं चाहूंगा कि विदेश मंत्री साहब अगर उनकी जानकारी लेकर हमको भिजवा सकें, तो बड़ा अच्छा रहेगा। चेयरमैन साहब, जैसा आप जानते हैं कि पिछले चन्द हफ्तों से बलूचिस्तान में कई

[उपसभाध्यक्ष (श्री राम नाथ कोविन्द) पीठासीन हुए]

किस्म के वाकयात हो रहे हैं, यह उनके अंदरुनी मसायल हैं और पाकिस्तान जैसा ठीक समझेगा, उससे डील करेगा। मेरा निवेदन यह है कि वहां पर, विशेषकर बलूचिस्तान में, जिनकी हुकूमत रह गई थी, इस परेशानी की वजह से बलूचिस्तान, सिन्ध, मारवाड़, कच्छ, काठियावाड़ इन क्षेत्रों में कई लोगों की आस्थाएं, बलूचिस्तान में एक विशेष स्थान है, जिसे हिंगलाज माता का स्थान कहा जाता है, जो कि हमारी कुलदेवी भी हैं, ऐसे स्थान से बहुत अधिक जुड़ी हुई हैं। ऐसा सुनने में आया कि वहां पर जो हादसा हुआ है, उसमें एक मंदिर गिर गया है और लगभग 20-25 व्यक्ति, जो उस मंदिर के इर्द-गिर्द थे, वे भी मारे गए हैं। सबसे ज्यादा फिक्र हमें आज इस बात की है कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि हिंगलाज माता के मंदिर को भी कुछ नुकसान पहुंचा हो।

[श्री सभापति पीठासीन हुए]

मैं यह अच्छी प्रकार से जानता हूं और समझता भी हूं इसलिए मैं यह नहीं कहूंगा कि हमें पाकिस्तान के अंदरुनी मामलों में किसी प्रकार का कोई दखल देना है, बिल्कुल नहीं देना है, परन्तु यह जानकारी यदि विदेश मंत्रालय प्राप्त करा दे, तो हमें बहुत सहूलियत रहेगी, क्योंकि बलूचिस्तान, सिंध, मारवाड़, कच्छ, काठियावाड़ के क्षेत्रों में, हिंगलाज माता को मानने वाले बहुत से लोग हैं, जो कि पहले उसी स्थान पर तीर्थ करने के लिए जाया करते थे, इसलिए यह जरुरी है कि उनकी भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, इस बात की जानकारी विदेश मंत्रालय जल्द से जल्द उपलब्ध कराए।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): माननीय सभापति महोदय, विपक्ष के आदरणीय नेता ने जो मुद्दा उठाया है, वह अत्यंत गंभीर है और साथ ही साथ भावुक भी है, वहीं उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ये पड़ोसी देश में होने वाली आंतरिक घटनाएं हैं, जिसमें अनावश्यक हस्तक्षेप अपेक्षित नहीं होता है। जहां तक इस दुर्भाग्यजनक दुर्घटना का प्रश्न है, हमें जो जानकारी मिली है और जिसका जिक्र आदरणीय विपक्ष के नेता ने भी किया है कि बलूचिस्तान में लोकल ट्राइबल्स और वहां की

जो सिक्योरिटी फोर्सिज़ हैं, उनके बीच में मुठभेड़ हुई, इससे वहां का जन-जीवन प्रभावित हुआ है और उस मुठभेड़ के कारण, वहां पर जो हिंगलाज माता का मंदिर है, वह भी प्रभावित हुआ है। लेकिन अधिकृत जानकारी प्राप्त हो जाने के बाद ही हम इस विषय में कुछ कहने की स्थिति में होंगे। फिलहाल, मैं ऐसी उम्मीद करता हूं और भारत सरकार को भी यही उम्मीद है कि वहां की जो असामान्य स्थिति है, वहां शीघ्र ही शांति स्थापित होगी, ताकि वहां का जन-जीवन सामान्य हो सके एवं वहां पर हिंगलाज माता के प्रति जो श्रद्धावान लोग हैं, उन्हें हिंगलाज माता की पूजा अर्चना करने का अवसर प्राप्त हो सके।

Interlinking of South Indian rivers in the first phase

SHRI P.G. NARAYANAN (Tamil Nadu): Mr. Chairman, Sir, I wish to draw the attention of the House about the disturbing Press report of Union Water Minister, Mr. Priyaranjan Dasmunsi that the UPA Government will take up linking of rivers only in Uttar Pradesh, Madhya Pradesh and Rajasthan on priority basis. Then linking of rivers in the South have to wait for twenty years till the competition of the North Indian project. Mr. Munsi has also estimated that the Union Government would spend Rs. 1,18,000 for the North Indian Project. In this, Munsi is following the line of Mr. Vajpayee's Government.

MR. CHAIRMAN: What is your point?

SHRI P.G. NARAYANAN: Sir, I am coming to that.

MR. CHAIRMAN: Please come.

SHRI P.G. NARAYANAN: Sir, I humbly submit that the Central Government, whether it is run by the BJP or the Congress Party, have no concern for the people of South India. Admittedly most of the...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: You have raised your point. ...*(Interruptions)*... That is enough.

SHRI P.G. NARAYANAN: Sir, admittedly, most of the parts in Southern India are water-starved.

MR. CHAIRMAN: That is enough.

SHRI P.G. NARAYANAN: Sir, drinking water is an acute problem in various parts of South India. ...*(Interruptions)*...